



*Team 21-22
Wishes you all
A very happy Mother's
Day*

FOR WHEN
→ A CHILD ←
.....
IS BORN
THE MOTHER
ALSO
IS BORN AGAIN.
.....



**“Men are
what their
mothers
made them.”**

—Ralph Waldo Emerson

**Know some
Great Indian Mothers**

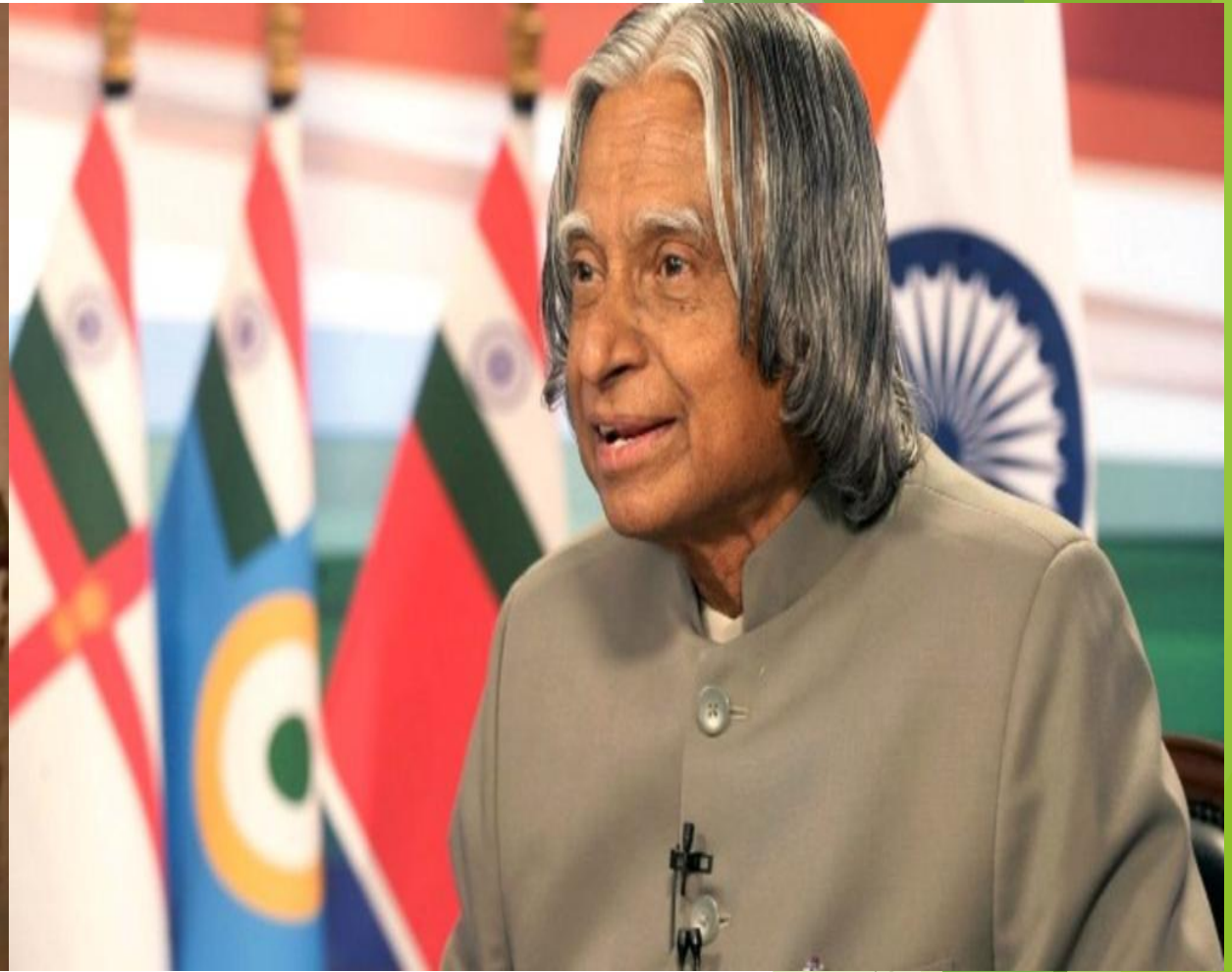
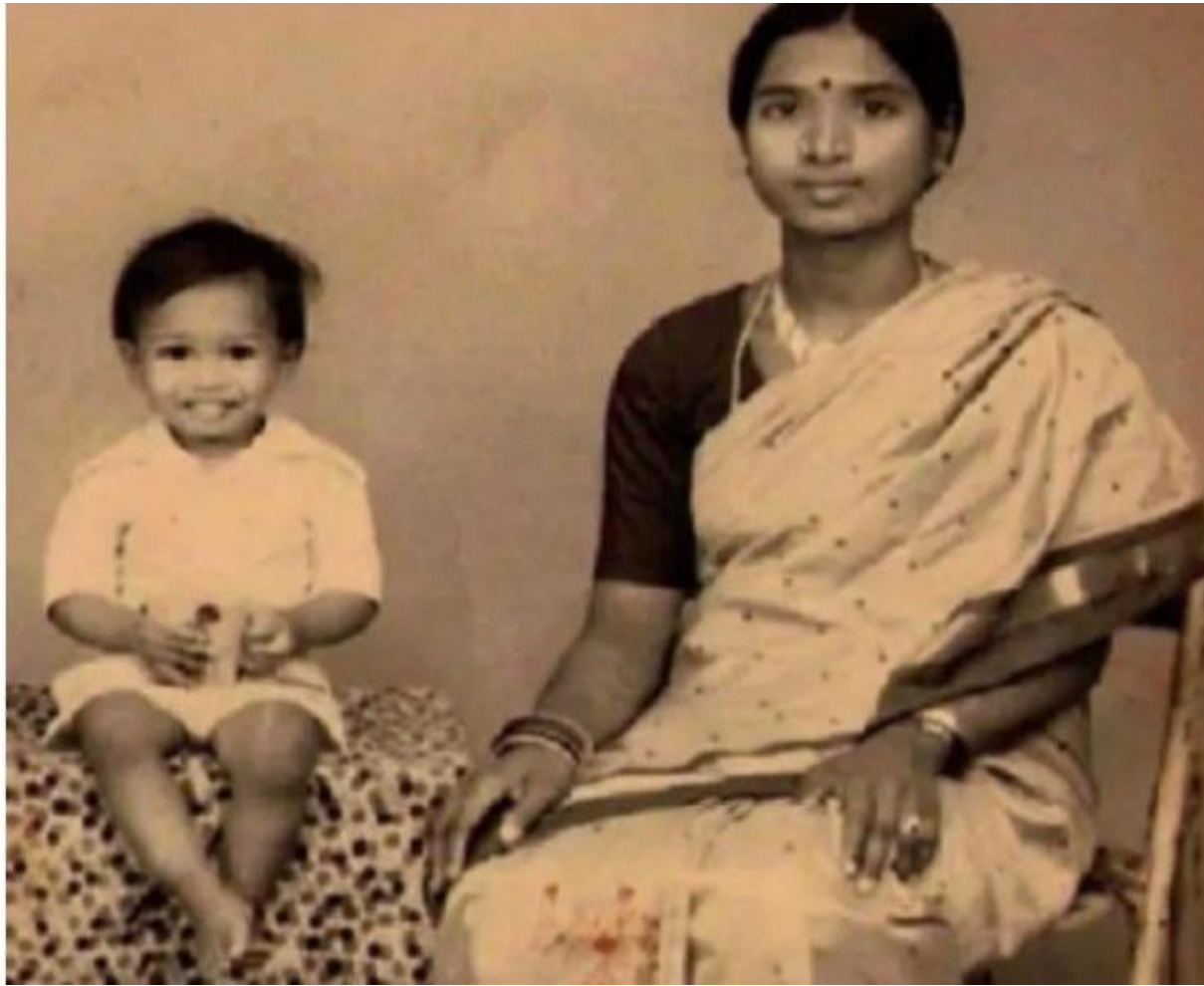




SITA JI MOTHER OF LUV AND KUSH



PUTLIBAI MOTHER OF MAHATMA GANDHI



ASHIAMMA JAINULABBIDDIN MOTHER OF DR. APJ ABDUL KALAM



**Some Iconic
Indian mothers**



MARY KOM



INDRA NOOYI



SUSHMITA SEN

पहचानो
कौन ? ? ?













Zoom



प्रिय शुभांगी और प्रिय ध्रुव
जब तुम्हे पाया अपनी गोद में
सत्ताईस और इकतीस वर्ष थी मेरी उम्र
अँगुलिया थी मेरी सशक्त व सुदृढ़
पर
अदृश्य प्रेरणा शक्ति देती
जीवन चुनौती में तुम्हारी
कोमल अँगुलियों की पकड़

फिर

प्रिय सुमित का हुआ शुभांगी के

जीवन में प्रवेश

कर चुकी थी तब मैं अठानवे वर्ष में प्रवेश

अँगुलियों की हो चली अब कुछ कमज़ोर पकड़

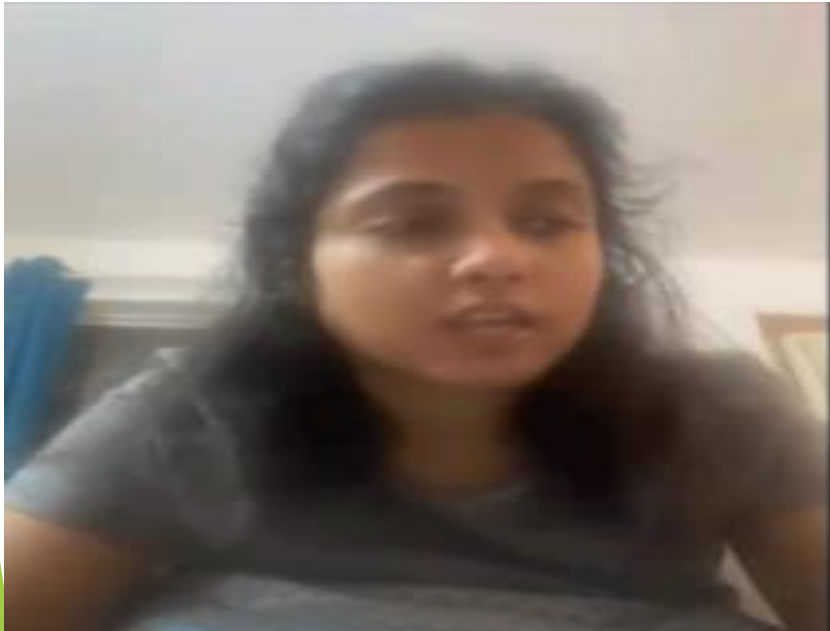
पर

अदृश्य प्रेरणा शक्ति देती

जीवन चुनौती में थामती जब

ध्रुव, शुभांगी और सुमित तुम्हारी अँगुलियां सशक्त और सुदृढ़

परिवर्तन ही प्रगति है!



28 नवंबर की वह शाम 40 साल पहले मेरे घर आई परियों के देश से एक नन्ही सी गड़िया गोल गोल चेहरा मटकती आंखें रुई सी कोमलता मेरे दिल की धड़कन और पिता की लाडलीधीरे धीरे सने घर में किलकारियां गूंजने लगी उसकी नटखट अदाएं फल सी हंसी सबको मोहनी लगी उसके स्कूल का पहला दिन मुझे आज भी याद है लौटते ही मां को खोजना स्कूल का किस्सा सुनाना मां के हाथों से खाना खाना शायद एक डॉक्टर मां पूरी तरह ना निभा पाई फिर भी मां की धड़कन थी आते ही छाती से लिपटती थी धीरे धीरे कब बड़ी हो गई मैं देखती रह गई और वह कब चली गई पता ही नहीं चला उसकी डोली और नम आंखें आज भी याद है पर मां और बेटी का बंधन अट्ट है आज भी मैं उसमें और वह मुझ में बसती है मैं खुश हूं क्योंकि वह खुश है छवि मेरी जैसी पर मुझ से अच्छी मां बनी ससुराल में प्यार की हकदार बनी आज भी मां बाप की एक आहट पर है वह खड़ी खुदा ने बनाया अजब यह नगीना बेटियां ना हो तो घर है सुना अंत में बेटा भाग्य से मिलता है और बेटी सौभाग्य से

धन्यवाद डॉ नीलू खनेजा



माँ तुम फिर से आ गई
शबे ग़म जब रूलाती है,
मुझे माँ याद आती है ।
सुकुं भी दे जाती है ,
मुझे माँ याद आती है ॥
मेरे आँगन में चिड़िया ने,
बनाया घोंसला अपना ।
वह जब दाना चुगाती है ,
मुझे माँ याद आती है ॥
भुलक्कड़पन कि आदत पर ,
मेरी नादान सी बेटि ,
मुझे जब डाँट जाती है,
मुझे माँ याद आती है ॥
घर के तमाम कोनों में ,
नज़र आता वजूद उसका ।
हर पल ,हर वक़्त ही ,
मुझे माँ याद आती है ।
नहीं कोई मूरत देवी की,
मनबसी उसकी सूरत है।
वही बस पूजी जाती है ,
मुझे तो माँ याद आती है ॥
माँ तो तुलसी सी पावन,
शीतल जल सी निराली ।
नहीं है पास तो क्या!
हर लम्हा माँ याद आती है।
खुशहाल ज़िंदगी की वजह बनी,
आशीष ही देती जा रही ।
रग रग में वह समा गई ,लगता है...मेरी माँ तूँ फिर से आ गई
॥

DR.Sarla Mehta



Dear Mom

Thank you for teaching me how to walk with my chin & head held high

Only words of encouragement never those of sigh

Thank you for being the perfect playmate

from being in my Tarzan camp to parading with me till the gate

Thank you for being the most adorable

opponent in our Chinese checkers, Ludos, & guess whos

Who smiled when she won but cheered when I got all the cues

Thank you for being the perfect tutor who taught me every day how to start a sentence with a capital I

And to whom for my homework I never had to lie

Thank you for being more patient than me when I couldn't tie my shoelaces

Never giving up on me or making faces

Papa's attendance was always half, your's was always full

Thank you for sacrificing pleasures of your own life to make my life colorful & beautiful

Above & beyond no matter how many lows & ups I had in my life you have always been in my team

Even if I express less your happiness & comfort are my biggest source of joy & being Love you always,

Happy Mother's Day

From Sadhvi d/o Dr Smita Agarwal



Dark be the days & my heart be heavy,
She'll be there, i know,
With a smile on her face that I adore,
And lo! There's light all o'er.
My boat be lost in the endless sea,
My hope be lost in despair,
But I know she's there to steer my boat,
And lo! The shore is here.
I travel afar, come back a hero,
And everyone is praises,
But in my joy something's amiss.
Until I see her smiling face.
For it is she who completes, my joy
My triumphs & happiness,
And today, Oh mother!, I say to you, That I love
you.

Gautam Rai
S/o Dr Anju Rai



माँ याद तुम्हारी आती है माँ याद तुम्हारी आती है ॥ मेरे रे खिडकी से माँ चँन्दा मामा दिखते हैं
 थोड़ी सी जब रात ढली वह झुरमुट में छिप जाते हैं ॥ आँखों में निन्दिया लिए हुए मैं बिस्तर पर मैं आती हूँ
 .माँ याद तुम्हारी आती है... माँ की थपकी माँ की लोरी माँ लेती गोलो पर चुम्बन अब तो
 यादे है कर देती मेरा विचलित मन पापा की बाँहो
 का झूला पापा की गोदी में सोना मन का कोना सूना सूना अब लगता यहां अकेलापन।
 भाईयाँ से मैं झगडा करती भाईयाँ को ही डाँट पिटाँ करती मैं दूर खडी अन्जान मन ही मन हँसती रहती
 नटखट बचपन की ये यादे मेरे जीवन की थाती है माँ याद.....बचपन में मेरे गिरने पर माँ के आँसू
 झर झर बहते गिरते ही उठ कर चलने पर चलने पर पापा आन्नदित होते पापा ने दिया मूलमंत्र जो सोचोगे
 वह पाओगे सपने उनके ही पूरे होते जो सपने देखा करते गैरो को अपना लेने का गुर माँ तुमने मुझको
 सिखलाया सहनशीलता और दृढता का पाठ तुम्ही ने पढवाया माँ बचपन में तुमने जो संस्कार दिए जीवन
 की कठिन परीक्षा में वेही सब का आए ..परीक्षाओ में मिली सफलता दुनिया
 सम्मानित करती है माँ याद तुम्हारी आती है डा किरण गर्गकम

A poetry by me on my motherhood journey, hope my colleagues could relate it with reality

मेरे घर आई एक चिड़िया रूपि परीआई है कुछ जल्दी में सजाने मेरा संसार, चहचहाती हुई ले आई जिम्मेदारियों का अंबार! नहीं जाना था मैंने चुगती चिड़िया के पर्वरिश का ज्ञान, बीता था जो जीवन मेरा पढते पढते, देते देते इम्तिहानचहचहाती चिड़िया के संग सीख लिये मैंने सारे चिंदे चिंदे काम, तेल मालिश, नहलाना, खिलाना, शश पाटी, इन्ही में निकलता सारा दिन सारी शामकाम रूकता नहीं था यहीं होती थी मेरीजों की लाइन, दिन में दस दस डिलिवरी, शेड्यूल रहता था वेरी टाइटसमय बीता लगे चिड़िया को पंख, छोड़ दी मैंने ड्यूटी श्यूटी, हो गई स्वतंत्रधीरे धीरे खेलती वह मेरे साथ सारे खेलदुपट्टे की साड़ी बना इतराती वह खुद को आइने में देखसीख लिया उसने जल्दी ही स्कूल जाना, झटपट दोस्त बनानास्कूल की मिनी बस के रोते बच्चों को खुद ही आ गया उसे चुप करानामसरुफियत के दिनों में कभी ओ टी कभी नर्सरी में बिताएं है उसने कयी लमहेंठान लिया है उसने कि नहीं पालेगी अपने जीवन में ऐसे लफड़ेबढने लगी सहेलियों की गिनती दिन बर दिन, साल दर सालपार्टी में करतीं न थकती है वह सब लगातार धमालहर सहेली का रखती है छोटा सा उपनामपढ लूं गलती से चैट तो कर देती है काम तमामजब भी पूछ लेती हूं उस से अचानक कोई सवालनटखट सी कहती है मम्मा हो तुम कोई जिन्नी या कोई बवालरोज ही देती रहती है मुझे अच्छे दिखने के नुस्खेबोर भी नहीं होते हम आपस में लडते झगडतेदिन हो गये हैं कयी मुझे रहते रहते कमरे में बंदसयानी चिड़िया करने लग गयी है अपने आप सारे प्रबंधबाइ को नसीहते हो, खाने का मेन्यू या हो ग्रीसरी लिस्टकरने लगी है सब मैनेज, साथ में है आनलाइन क्लासेज भी फिटसोचा नहीं था होगा होम आइसोलेशन इतना आसानवक्त पर मिलता है जरूरत और मन का सारा सामानहर वक्त फरमाइशों से गुंजते थे जो कानशांत स्वरों को अब दोस्त उन्होंने लिया है मानसमस्याएं आती हैं सुलझ जाती भी है कयीप्रार्थना है ईश्वर से मिले सभी को ऐसी ही चिड़िया रूपि परी ॥ हा मारिका जैनगात्रियाबाद



Happy Mother's Day

Cheers!

To all the Mothers for protecting
their families in these challenging times



Thank You!

Daysafe